तमलिनाडु रक्षा औद्योगकि गलयिारा

स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लयि एक कदम आगे बढ़ाते हुए रक्षा मंत्री ने 20 जनवरी, 2019 को तमलिनाडु रक्षा औद्योगकि गलयिारे (Tamil Nadu Defence Industrial Corridor) की शुरुआत की।

उद्देश्य

- रक्षा औद्योगकि गलयिारे की स्थापना का उद्देश्य वभिनि्न रक्षा औद्योगकि इकाइयों के बीच संपर्क सुनश्चिति करना है।

नविश

- तमलिनाडु रक्षा औद्योगकि गलयिारे के लयि 3,123 करोड़ रुपए के नविश की घोषणा की गई है इसमें से अधकिांश नविश सार्वजनकि क्षेत्र से कयिा जाएगा।
- आयुध नर्माणी बोर्ड ने इस गलयिारे के वकिास में 2305 करोड़ रुपए के नविश की घोषणा की है।

तमलिनाडु डफिेंस प्रोडक्शन क्वाड

- तमलिनाडु रक्षा औद्योगकि गलयिारा को तमलिनाडु डफिेंस प्रोडक्शन क्वॉड (Tamil Nadu Defence Production Quad) भी कहा जाता है, क्योंकि इसके नोडल केंद्र चेन्नई, होसुर, सलेम, कोयंबटूर और तरिुचरिापल्ली मलिकर एक चतुर्भुज का नर्माण करते हैं।
- आयुध नर्माणी बोर्ड ने गलयिारे के लयि 2305 करोड़ रुपए के नविश की घोषणा की है।

भारत का दूसरा रक्षा औद्योगकि गलयिारा

- अगस्त 2018 में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में शुरू हुए पहले रक्षा औद्योगकि गलयिारे के बाद यह देश का दूसरा रक्षा औद्योगकि गलयिारा है। उल्लेखनीय है कि रक्षा उत्पादन क्षेत्र में 3,732 करोड़ रुपए के नविश की घोषणा के साथ ही 11 अगस्त, 2018 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में रक्षा औद्योगकि गलयिारा शुरू कयिा गया था।

तमलिनाडु ही क्यों?

- तरिुचरिापल्ली क्षेत्र में प्रमुख सार्वजनकि क्षेत्र की कंपनयिाँ जैसे- BHEL, हेवी अलॉय पेनट्रिेटर प्रोजेक्ट (Heavy Alloy Penetrator Project), आयुध फैक्ट्री और रेलवे कार्यशालाएँ रक्षा नर्माण के लयि सही पारस्थितिकिी तंत्र प्रदान करती हैं।

लाभ

- तमलिनाडु भारत के कुल नर्यात में 9.8% के योगदान के साथ देश में चौथे स्थान पर है और यह गलयिारा इस क्षेत्र से होने वाले नर्यात के अवसरों को बढ़ाएगा।
- इन गलयिारों के वकिास से न केवल त्वरति वकिास और क्षेत्रीय उद्योगों के एकीकरण में मदद मलिेगी, बल्कि एक सुव्यवस्थति और कुशल औद्योगकि आधार भी उपलब्ध होगा जसिसे इस क्षेत्र के साथ ही देश में भी रक्षा उत्पादन बढ़ेगा।
- इससे उद्योगों को रक्षा वनिर्माण की वैश्वकि आपूर्ति शृंखला के साथ एकीकृत करने में भी मदद मलिेगी।

पृष्ठभूमि

- फरवरी, 2018 में अपने बजट भाषण में वति्त मंत्री ने यह घोषणा की थी कि घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लयि देश में दो रक्षा औद्योगकि उत्पादन गलयिारे स्थापति कए जाएंगे। इसमें सरकार ने उत्तर प्रदेश और तमलिनाडु में गलयिारों के नर्माण की परकिल्पना की थी।

स्रोत : द हदिू (बज़िनेस लाइन), इकोनॉमकि टाइम्स

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tn-defence-industrial-corridor